सुख सागर में आय के मत जावो हंस प्यासा भजन लिरिक्स

सुख सागर में आय के,
अरे इन भवसागर में आयके,
मत जावो हंस प्यासा,
मत जावो हंस प्यासा ए हा ओ जी।bd।

अरे गगन मंडल में अमृत बरसे,
पीले स्वासम स्वासा,
अरे गगन मंडल में अमृत बरसे,
पीले स्वासम स्वासा,
अरे भई पीले स्वासम स्वासा,
धन्ना ने पिया सुदामा ने पिया,
धन्ना ने पिया सुदामा ने पिया,
अरे पिया रविदासा,
अरे पिया रविदासा,
मत जावो हंस प्यासा,
मत जावो हंस प्यासा ए हा ओ जी।bd।

अरे ध्रुवजी ने पिया प्रहलाद ने पिया,
मिट गई जम री त्रासा,
अरे ध्रुवजी ने पिया प्रहलाद ने पिया,
मिट गई जम री त्रासा,
गोपीचंद भरतरी ने पिया,
गोपीचंद भरतरी ने पिया,
अरे हुआ शब्द परकाशा,
अरे हुआ शब्द परकाशा,
मत जावो हंस प्यासा,
मत जावो हंस प्यासा ए हा ओ जी।bd।

अरे शबरी ने पिया कमालीन ने पिया,
मीराबाई पी गई आशा,
अरे शबरी ने पिया कमालीन ने पिया,
मीराबाई पी गई कासा,
कबीर सा ने प्रेम रस पिया,
कबीर सा ने प्रेम रस पिया,
अरे पुरण हो गई आसा,
अरे पुरण हो गई आसा,
मत जावो हंस प्यासा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सुख सागर में आय के,
अरे इन भवसागर में आयके,
मत जावो हंस प्यासा,
मत जावो हंस प्यासा ए हा ओ जी।bd।

गायक – संत कन्हैयालाल जी।
प्रेषक – मनीष सीरवी
9640557818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com